Title: Regarding mismanagement and labour strikes in the Maruti Udyog Limited.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उपाध्यक्ष महोदय, देश के मशहूर मारूति उद्योग के 4000 कर्मचारी अपने बाल-बच्चों के साथ जंतर-मंतर संसद मार्ग पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि मारूति उद्योग प्रबंधन ने पिछले डेढ़ महीने से दमनकारी नीति अख्तियार कर रखी है और मनचाहे तथा नाजायज ढंग से कागज पर दस्तखत कराने को बाध्य कर रहे हैं । इस कारण कर्मचारियों को फैक्ट्री के भीतर प्रवेश करने से रोक दिया गया है. 83 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है, दर्जनों कर्मचारियों को निलम्बित किया गया है जबकि केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्री हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। एन.डी.ए. सरकार में आपस में मतभेद हैं। कुछ कहते हैं कि मारूति उद्योंग को सुजुकी के हाथ में बेच दिया जाये और कुछ मल्टी नेशनल कम्पनीज़ के हाथ में देने की बात कह रहे हैं। देश की यह एक ऐसी कम्पनी है जो आधा सरकारी और आधा गैर-सरकारी है, मुनाफा दे रही है। यह देश का प्रतिष्ठित उद्योग है जिसे बेचने की साजिश हो रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन और सरकार से मांग करना चाहता हूं कि जिस उद्योग के 4000 कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं, जिस उद्योग को तीन लाख करोड़ रुप्ये का घाटा हो चुका है उसे और घाटा पहुंचाने की साजिश हो रही है, में अविलम्ब सरकार हस्तक्षेप करे। माननीय संसदीय कार्य मंत्री हमारी बात नहीं सुनते हैं लेकिन माननीय सांसद श्री जयपाल रेड्डी कुछ जानकारी देने के लिये खड़े हैं, उन्हें सुन लें।

श्री राजीव प्रताप रूडी (छपरा) : उपाध्यक्ष महोदय, हमने भी नोटिस दिया हुआ है, हमारा नाम नहीं बुलाया।

उपाध्यक्ष महोदय : मैं आपको बुलाऊंगा, आप बैठें।

श्री राजो सिंह (बेगूसराय) : उपाध्यक्ष महोदय, हम रघुवंश बाबू के समर्थन में कहने के लिये खड़े हुये हैं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Rajo Singh, you are allowed only to associate yourself with what he has said.

...(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I have a few additional submissions to make. The situation in the MUL is extraordinary. ...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : उपाध्यक्ष महोदय, क्या हम बोलें?

उपाध्यक्ष महोदय : नहीं, आप नहीं बोलेंगे। आपका नाम यहां लिखा हुआ है, आपको बुलायेंगे। आप घड़ी-घड़ी डिस्टर्ब क्यों कर रहे हैं?

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष जी, एक जगह अपाइंटमेंट है, जाना है, इसलिये आग्रह कर रहा हूं कि बुला लीजिये।

उपाध्यक्ष महोदय : आपको बुलाऊंगा, अभी आप बैठें।

श्री नवल किशोर राय (सीतामढ़ी) : उपाध्यक्ष जी, मैंने इस विषय पर बोलना है।

उपाध्यक्ष महोदय : मैं यहां सब को बुलाने के लिये ही बैठा हूं, मेरा और क्या काम है?

श्री नवल किशोर राय : उपाध्यक्ष महोदय, हमने कई बार सूचनी दी है, हम लोगों के साथ न्याय करिये।

उपाध्यक्ष महोदय : मि. राय, यदि आप इस तरह से इनसिन्यूटेरी रिमार्क्स पास करेंगे कि हम कहीं किसी को ज्यादा कंसीडर करते हैं तो कैसे होगा?

श्री नवल किशोर राय : उपाध्यक्ष महोदय, हम प्रतिदिन आपके कार्यलय में सूचना देते हैं लेकिन कभी मौका नहीं मिलता है, हम किससे कहें?

उपाध्यक्ष महोदय : मि. राय, सारी लिस्ट हमारे सामने रखी हुई है।

श्री नवल किशोर राय : हम आपके सिवा कहां जायें?

उपाध्यक्ष महोदय : इसलिये कहता हूं कि आप बैठे, आपको चांस मिलेगा और जब आपका नम्बर आयेगा तो आपको बुलाऊंगा। I am going according to the list.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Mr. Deputy-Speaker, Sir, Maruti Udyog Limited is today facing an extraordinary situation. It is neither a strike nor a lockout. It is not a private company. It is still a company in which the Government has 50 per cent equity. The management of Maruti Udyog Limited has been taking recourse to grossly unfair labour practices. They are compelling every worker to sign a good conduct undertaking, which is not permitted at all under any law of the land. Many workers have been punished without any reason or rhyme through suspensions and through dismissals. More than 3,000 people have been forcibly kept out of the gate.

Here is a Government, which has 50 per cent equity and this Government has been maintaining deafening silence on this situation. I want the hon. Minister of Parliamentary Affairs to intervene and clarify. Or, he should ask the Minister concerned to come and make a statement before the House....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Nawal Kishore Rai, you are allowed to associate with it.

...(*Interruptions*)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY (CHHAPRA): Sir, I associate with it differently!

श्री न्वल कि्शोर रा्य : इसमें एक न्यी ब्रात मुझे कहनी है।

उपाध्यक्ष महोद्य : मैंने आपको अ्सोसि्येट करने के लिए कह दि्या है। You can associate with it now.

श्री न्वल कि्शोर रा्य : रघुव्ंश ब्राबू ने जो कहा है, मैं उ्सका ्समर्थन करता हूं और उ्सके अलाव्ा अर्ज़ करना चाहता हूं कि â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोद्य : इन्होंने जो वि्य उठा्या है, व्ही वि्य आपका नहीं है?

श्री न्वल कि्शोर रा्य : व्ही वि्य है। मैं आपके माध्यम ्से ्सरकार ्से सि्फ इतना कहना चाहता हूं कि â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोद्य : ऐसे नहीं। अ्भी मैंने आपको ब्रोलने की इजाज़त नहीं दी है। ज्ब मैं आपका नाम ब्रुलाऊंगा त्ब ब्रोलि्ये।

श्री पी.आर.खूंटे।